2022

HINDI

Paper : HIN–HG/RC–2016

(मध्ययुगीन हिन्दी कविता)

(Honours Generic/Regular Course)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) संत कबीरदास मूलतः किस स्थान के रहने वाले थे?

(ख) कबीर की वाणी किस नाम से संग्रहीत है?

(ग) कबीरदास का देहावसान किस स्थान में हुआ था?

(घ) 'साखी' का तात्पर्य क्या है?

(ङ) 'साहित्यलहरी' के रचयिता कौन हैं?

(च) सूरदास के गुरु कौन थे?

(छ) सूरदास किस काव्यधारा के कवि के रूप में जाने जाते हैं?

(ज) "मुरली गति बिपरीति कराई।" यह काव्य-पंक्ति किस कवि की है?

(झ) सूरदास किस मार्ग के भक्त थे?

(ञ) कवि सूरदास की भेंट सम्राट अकबर से कहाँ हुई थी?

(ट) गोस्वामी तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था?

(ठ) 'कृष्ण गीतावली' के रचयिता कौन हैं?

(ड) 'सतसई' का तात्पर्य क्या है?

(ढ) घनानंद रीतिकालीन किस काव्यधारा के कवि हैं?

(ण) "मेरी भव-बाधा हरौ राधा नागरि सोइ।" इसमें 'नागरि' शब्द का क्या तात्पर्य है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) "प्रेम न बारी ऊपजै प्रेम न हाटि बिकाइ।" यहाँ कवि क्या कहना चाहते हैं?

(ख) कबीरदास ने अपने को किस देश का वासी बताया है?

(ग) सूरदास के भ्रमरगीत-प्रसंग की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(घ) "ऊधौ ब्रज की दसा बिचारौ।" ऐसा क्यों कहा गया है?

(ङ) 'विनय-पत्रिका' शीर्षक की सार्थकता क्यों है?

(च) "ऐसी मूढ़ता या मन की।" कवि ने मन की मूर्खता की बात क्यों की है?

(छ) 'बिहारी सतसई' किसकी रचना है? यह किस प्रकार का काव्य है?

(ज) घनानंद की काव्य-भाषा की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) सूरदास के 'मुरली-वर्णन' प्रसंग के प्रतिपाद्य को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) "ऐसा यहु संसार है, जैसा सैंबल फूल।" प्रस्तुत काव्य- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) कबीर-काव्य की भाषागत विशेषताओं को संक्षेप में लिखिए।

(घ) सूरदास-काव्य की अलंकार-योजना पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ङ) 'भरत विनय प्रसंग' के महत्त्व का आकलन कीजिए।

(च) तुलसीदास के आराध्य राम के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(छ) "सतसैया के दोहरे, ज्यों नावक के तीर।" इस काव्य-कहावत की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।

(ज) कबीर एकै जानिया तौ जाना सब जाण
जे वो एक न जानियाँ तौ सबही जाण अजाण॥
—प्रस्तुत दोहे के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) कबीर-काव्य के प्रतिपाद्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ख) कबीर-काव्य की लोकप्रियता के कारणों का खुलासा कीजिए।

(ग) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ऊधौ, बिरहो प्रेम करै।
ज्यों बिनु पुट पट गहत न रंगहि, पुट गहि रसहि परै।
ज्यों धर देह बीज अंकुर चिरि तौ सत फरनि फरै।
ज्यों आवाँ घट दहत अनल तन तो पुनि अमिय भरै।
ज्यों रन सूर सहत सर सम्मुख तौ रवि रथहि सरै।
सूर गोपाल प्रेम पथ चलि कै कोउ न दुखहि डरै॥

(घ) निम्नलिखित दोहे के भाव एवं कलापक्षीय सौन्दर्य का आकलन कीजिए :

जोग-जुगति सिखए सबै मनौ महामुनि मैन
चाहत पिय-अद्वैतता काननु सेवत नैन॥

(ङ) 'भरत विनय प्रसंग' के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(च) सूरदास की भक्ति-भावना पर उदाहरणों के साथ प्रकाश डालिए।

(छ) रामभक्ति काव्यधारा के श्रेष्ठ कवि के रूप में गोस्वामी तुलसीदास की समीक्षा कीजिए।

(ज) बिहारी की काव्य-कला की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(झ) "बिहारी के काव्य में श्रृंगार, भक्ति और नीति का त्रिवेणी-संगम हुआ है।" प्रस्तुत कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

(ञ) पठित छंदों के आधार पर घनानंद-काव्य के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

★★★